

गजल

स्वाध्याय [PAGE 34]

स्वाध्याय | Q (१) १. | Page 34

गजल की पंक्तियों का तात्पर्य :

नींव के अंदर दिखाएँ - _____

Solution: नींव के अंदर दिखाएँ - आधार बनना

स्वाध्याय | Q (१) २. | Page 34

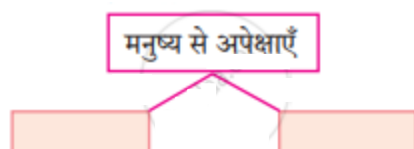
गजल की पंक्तियों का तात्पर्य :

आईना बनकर दिखाओ - _____

Solution: आईना बनकर दिखाओ - संवेदनाओं से परिपूर्ण इंसान बनना

स्वाध्याय | Q (२) | Page 34

कृति पूर्ण कीजिए :



Solution: मनुष्य से अपेक्षाएँ:

1. पथप्रदर्शक बने।
2. इंसानियत की राह पर चले।

स्वाध्याय | Q (३) १. | Page 34

जिनके उत्तर निम्न शब्द हों, ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए :

भीड़

Solution: गजलकार किसमें शक्ल ढूँढ़ रहा है?

स्वाध्याय | Q (३) २. | Page 34

जिनके उत्तर निम्न शब्द हों, ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए :

जुगनू

Solution: किसने कहा कि वह भी साथ है?

स्वाध्याय | Q (३) ३. | Page 34

जिनके उत्तर निम्न शब्द हों, ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए :

तितली

Solution: पद्यांश में किसके टूटे पर की तरह बनने के लिए कहा गया है?

स्वाध्याय | Q (३) ४. | Page 34

जिनके उत्तर निम्न शब्द हों, ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए :

आसमान

Solution: पद्यांश में गर्द बनकर किस पर लिखने को कहा गया है?

स्वाध्याय | Q (४) १. | Page 34

निम्नलिखित पंक्तियों से प्राप्त जीवनमूल्य लिखिए :

आपको महसूस _____
_____ भीतर दिखो ।

Solution: अपनी रचना 'गजल' के अंतर्गत रचनाकार {माणिक वर्मा} ने इन पंक्तियों में मानवमात्र के प्रति संवेदना की एवं सहृदयता जैसे मानवमूल्यों की बात कही है। वे कहते हैं कि जिस प्रकार मोमबत्ती का धागा उसके भीतर जलता है उसी प्रकार हमें भी प्रत्येक मनुष्य की अंतर्मन की पीड़ा समझकर उसे दूर करने का यथासंभव प्रयास करना चाहिए। अर्थात् हमें पीड़ित के प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए।

स्वाध्याय | Q (४) २. | Page 34

निम्नलिखित पंक्तियों से प्राप्त जीवनमूल्य लिखिए :

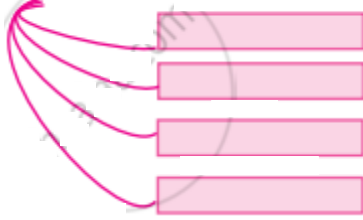
कोई ऐसी शक्ति _____
_____ मुझे अक्सर दिखो ।

Solution: हे ईश्वर, मैं चाहता हूँ कि मैं जिसे भी देखूँ, मुझे उसी में तुम नजर आओ। अर्थात् मानव मात्र ईश्वर का अंश है।

स्वाध्याय | Q (५) | Page 34

कृति पूर्ण कीजिए :

गजल में प्रयुक्त प्राकृतिक घटक

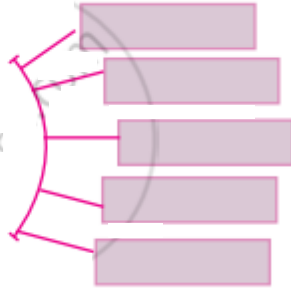


Solution: गजल में प्रयुक्त प्राकृतिक घटक

1. फुल
2. तितली
3. मोती
4. सीप

स्वाध्याय | Q (६) | Page 34

कवि के अनुसार ऐसे दिखो :



Solution: कवि के अनुसार ऐसे दिखो :

1. नींव के अंदर
2. मील का पत्थर
3. आदमी बनकर
4. आईना बनकर

अभिव्यक्ति [PAGE 34]

अभिव्यक्ति | Q (१) | Page 34

प्रस्तुत गजल की अपनी पसंदीदा किन्हीं चार पंक्तियों का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

Solution:

"एक जुगनू _____
_____ सीप के अन्दर दिखो"

अंधकार में चमकता हुआ जुगनू आशा रूपी किरण के समान है जो अंधकार में प्रकाश का साम्राज्य फैलाता है। अर्थात् हताश और निराश मनुष्यों के लिए सदैव उम्मीद की किरण जगाए

रखने का संदेश दिया गया है। आगे कवि (माणिक वर्मा) कहते हैं कि मनुष्य के लिए कुछ मर्यादाएं हैं कुछ सीमाएं हैं जिन्हें मानकर वह अपने कर्तव्य का पालन करे, क्योंकि इसी के द्वारा वह जन समुदाय या मानव समाज की सेवा भी कर सकता है। जिस प्रकार एक सीप के अंदर मूल्यवान मोंती छिपा होता है उसी प्रकार हमें भी समाज के कल्याण के लिए मर्यादाओं के भीतर रहकर श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए क्योंकि इसी भावना के द्वारा मनुष्य सम्मानित होता है। कवि के द्वारा दी गई पंक्तियों के भीतर यही केंद्रीय भाव छिपा है।

उपयोजित लेखन [PAGE 34]

उपयोजित लेखन | Q (१) | Page 34

‘यदि मेरा घर अंतरिक्ष में होता,’ विषय पर अस्सी से सौ शब्दों में निबंध लेखन कीजिए।

Solution: पिछले कई वर्षों में अंतरिक्ष विज्ञान में जो प्रगति हुई है, वह सराहनीय है। पहले अंतरिक्ष यात्रा कल्पना से अधिक कुछ नहीं थी लेकिन आज अंतरिक्ष यात्रा के सपने सच हो गए हैं। रूस ने अंतरिक्ष यान के द्वारा अपने अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन को पहली बार अंतरिक्ष में भेजा था फिर तो अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग और एडविन एल्ल्ड्रिन सबसे पहले चंद्रमा पर पहुंचनेवाले अंतरिक्ष यात्री हो गए।

अब तो ऐसा लगता है कि कभी-न-कभी हम को भी अंतरिक्ष में जाने का मौका मिल सकता है। लेकिन यह कब संभव होगा, कहा नहीं जा सकता। काश, मेरा घर अंतरिक्ष में होता। यदि सच में मेरा घर अंतरिक्ष में होता तो कितना अच्छा होता। जो आसमान को दूर से देखा करते हैं, हम उसकी खूब सैर करते। चाँद, सितारों को नजदीक से देखते। बादलों के बीच लुका-छिपी खेलते। परियों के देश में जाते। वे किस तरह रहती हैं, जानने-देखने का अवसर पाते। हम अंतरिक्ष से अपनी सुंदर धरती को देखते। अपने प्यारे भारत को देखते। आकाशगंगा के विभिन्न ग्रहों-उपग्रहों को देखते। सौरमंडल के सबसे सुंदर ग्रह शनि और उसके वलयों को देखते। उनके जितना निकट जा सकते, अवश्य जाते। स्पेस वॉक करते। वहाँ फैली शांति का अनुभव करते। वहाँ के प्रदूषण रहित वातावरण में रहने का मौका मिलता, जिससे हमारा स्वास्थ्य बहुत बढ़िया हो जाता। काश ऐसा हो पाता।